

## विश्व में मंदारिन नहीं ; हिन्दी है पहले स्थान पर !! (शोध पत्र 2012)

• डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल  
सहायक महा प्रबंधक  
कार्पोरेशन बैंक, प्रधान कार्यालय, मंगलूर - 575 001  
कर्नाटक, भारत  
ईमेल : jpn@corpbank.co.in, मो: 09900068722

### पृष्ठभूमि:

1981 से आरंभ हुई मेरी भाषा शोध का परिणाम सर्वप्रथम भारत सरकार द्वारा प्रकाशित हिन्दी पत्रिका राजभाषा भारती में 1997 में प्रकाशित हुआ था इस शोध को भारत के भाषा विदों, बुद्धि जीवियों व हिन्दी प्रेमियों ने खूब सराहा तथा सुझाव दिया कि विश्व के प्रमुख देशों के दूतावासों से जानकारी प्राप्त करके इस शोध को विश्वस्तर पर हिन्दी व अंग्रेजी में प्रकाशित किया जाए। इन सुझावों को अमल में लाते हुए मैंने विश्व के समस्त दूतावासों से सम्पर्क करके अपनी शोध में प्रामाणिक सामग्री जुटाई व सन् 2005 में यह शोध रिपोर्ट विश्व के कोने - कोने में इन्टरनेट के माध्यम से व वेब पत्रिकाओं के माध्यम से प्रकाशित हुई। जिसमें हिन्दी जानने वालों की संख्या विश्व में सर्वाधिक है यह निर्विवाद रूप से सिद्ध हुआ। विश्व के कुछ विद्वानों ने इस शोध पर कुछ स्पष्टीकरण माँगा व कुछ ने हिन्दी व उर्दू को एक भाषा मानने पर असहमति जताई लेकिन मैंने भाषा - विज्ञान के सिद्धांतों व व्याकरण संरचना के सिद्धांतों द्वारा उन्हें इस मत पर सहमत कराया कि हिन्दी व उर्दू एक ही भाषा है। उर्दू को हिन्दी की एक शैली कहा जा सकता है और उपभाषा के रूप में इसे हिन्दुस्तानी नाम दिया जा सकता है इन बिंदुओं को समेकित करते हुए सन् 2007 में इस शोध को पुनः अद्यतन किया गया। इस नए गणना विधान से भी विश्व में हिन्दी पहले स्थान पर ही रही।

इस शोध की पुनः समीक्षा की गई व विश्व के विद्वानों से प्राप्त इनपुट की मदद से इसमें नवीनतम जन संख्या के आधार पर आँकड़ों की जाँच व प्रति जाँच से नवीनतम शोध रिपोर्ट 2009 में प्रकाशित हुई। इस रिपोर्ट में विश्व में भौगोलिक खण्ड के आधार पर आँकड़े दिए गए। इस बार भी हिन्दी का स्थान प्रथम ही रहा व चीनी भाषा दूसरे नंबर पर रही। अब तक शोध के परिणाम को सार रूप में निम्नवत् प्रस्तुत किया जा सकता है।

(आँकड़े मिलियन में)

शोध रिपोर्ट का वर्ष	विश्व में हिन्दी जानने वाले	विश्व में चीनी जानने वाले	अंतर
शोध रिपोर्ट 1997	800	730	+70
शोध रिपोर्ट 2005	1022	900	+122
शोध रिपोर्ट 2007	1023	920	+103
शोध रिपोर्ट 2009	1100	967	+133
शोध रिपोर्ट 2012	1200	1050	+150

स्रोत: डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल द्वारा किया गया शोध अध्ययन सन् 2012.

## Globally Hindi is Numero Uno and not Mandarin..!!( Research Paper 2012)

• Dr. Jayanti Prasad Nautiyal  
Asst. General Manager,  
Corporation Bank, H O, Mangalore-575 001  
Karnataka, India  
E mail: jpn@corpbank.co.in, Mobile: 09900068722

### Background

The results of my linguistic research which had commenced in 1981 was published in Rajbhasha Bharathi ( A Govt of India publication) in the year 1997 which won rave reviews, appreciation, recognition and suggestions from noted linguists and Intellectuals all over the world who in turn opined that this research be published bilingually in the world arena with the addition of data compiled from Embassies all over the world. Acting on these invaluable suggestions I have compiled and incorporated data received from the embassies and authentic sources in my research. In 2005, through internet this study was published through web journals which needless to say have been successful in popularising my research in all corners of the world. It has been proved without a shred of doubt that Hindi and not Mandarin is Numero Uno in International linguistic arena.

Few linguists wanted some clarifications, some linguists raised objection over the treatment of Hindi and Urdu as one language. I have laid all objections and clarifications to rest by proving my point using linguistic and grammatical rationale .My points were well received and they have univocally accepted Hindi and Urdu as one. Urdu is Hindi in a different style and as an associate language can be called Hindustani. In 2007 I have updated my research including these facts needless to say Hindi still emerged as Numero Uno in the world arena.

This research was again reviewed and updated with latest census reports and was published in 2009. In this report data was compiled on the basis of geographical areas / regions and unsurprisingly Hindi still came on top while Chinese had to be content with the second spot. The gist of results of my research is summarized here-below:

(In Millions)

Year of Research	Hindi knowing people in the world	Mandarin knowing people in the world	Variation
Research Report 1997	800	730	+ 70
Research Report 2005	1022	900	+ 122
Research Report 2007	1023	920	+ 103
Research Report 2009	1100	967	+ 133
Research Report 2012	1200	1050	+ 150

Source: Research Study by Dr. J.P. Nautiyal, 2012

शोध रिपोर्ट 2009 के बाद भी यह भाषा शोध अध्ययन जारी रहा। इसकी नवीनतम रिपोर्ट 2012 में तैयार हो चुकी है। इस रिपोर्ट का सार आगे दिया जा रहा है।

### 2012 की शोध रिपोर्ट के परिणाम

यह शोध रिपोर्ट भी इस सत्य को उजागर करती है कि विश्व भर में हिन्दी जानने वाले सबसे अधिक हैं चीनी भाषा अर्थात् मंदारिन जानने वालों की संख्या हिन्दी से काफी पीछे है। आज की जन संख्या के हिसाब से विश्व में हिन्दी जानने वालों की संख्या 1200 मिलियन है तथा विश्व में मंदारिन जानने वाले 1050 मिलियन हैं। यह स्पष्ट है कि हिन्दी जानने वालों की संख्या में निरंतर तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है जबकि चीनी भाषा (मंदारिन) की गति धीमी है। इसके निम्नलिखित कारण हैं:

1. चीन में मंदारिन की अपेक्षा अंग्रेजी का मोह बढ़ रहा है। हिन्दी आसान भाषा होने के कारण भारत में व विश्व में बड़ी तेजी से हिन्दी सीखने की होड़ सी लगी है।
2. चीन की जन संख्या को पहले ही मंदारिन के जानकार दर्शाते हुए सम्पूर्ण आबादी की गणना पहले ही हो चुकी है। अतः इसमें बढ़ोत्तरी सिर्फ जनसंख्या वृद्धि होने पर ही हो रही है जबकि भारत की जनसंख्या में केवल खड़ी बोली जानने वालों को ही हिन्दी भाषा के अन्तर्गत गिना जाता था। मेरे इस शोध से स्थिति में बदलाव आया है।
3. भारत की उप बोलियों अन्य भाषाओं के स्थान पर नई पीढ़ी केवल हिन्दी को पारिवारिक व सामाजिक व्यवहार की भाषा के रूप में स्वीकार कर चुकी है अतः नई पीढ़ी हिन्दी की जानकार हो गई है।
4. हिन्दी फिल्मों/गानों तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की यह पसंदीदा भाषा है। विज्ञापन जगत की तो यह आधार भाषा बन गई है। विज्ञापन अंग्रेजी में होने पर भी “टैग लाइन” हिन्दी में होना, हिन्दी के प्रति जनता के बढ़ते प्रेम को दर्शाता है।
5. भारत को एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में देखा जा रहा है। दक्षिण देश (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) कभी भी एक मुद्रा (अर्थात् रूपया) और एक भाषा यानि हिन्दी को अपना सकते हैं। वैसे भी दक्षिण देशों में हिन्दी का प्रचलन काफी तेजी से बढ़ रहा है।
6. भारत सरकार द्वारा हिन्दी प्रचार के लिए किए जा रहे प्रयासों से तथा अनेक गैर सरकारी हिन्दी सेवी संगठनों के निस्वार्थ व समर्पित प्रयासों से हिन्दीतर क्षेत्रों में भी हिन्दी को सीखने की प्रवृत्ति, निरंतर बढ़ी है। आज भारत का कोई शहर या कस्बा ऐसा नहीं है जहाँ हिन्दी को जानने वाले न हों। यह इस बात का पुष्ट प्रमाण है कि हिन्दी की स्वीकार्यता भारत में ही नहीं बल्कि विश्व में भी बढ़ी है।

I still continued working on this project of mine even after the publication of research study 2009 and now have the honour of presenting before you my updated report 2012. The gist of my report 2012 is illustrated here-below:

### Results of Research study 2012

My study proves beyond a shred of doubt that Hindi beats Chinese “AKA” mandarin comfortably with regard to the language most spoken by people globally. As per the latest census report the number of people speaking Hindi is 1200 million while the number of people speaking Mandarin is just 1050 Million. The number of people speaking Hindi has increased steadily while there is slow growth in the number of people speaking Chinese “AKA” Mandarin which can be due to the following reasons:

1. English is fast becoming the most preferred language in China while Hindi in its simplicity is endearing itself not just to the people in India but to people world over. There has been an upward spurt in the interest in learning Hindi.
2. The data regarding the number of people conversant with Mandarin has been clubbed with the population and its increase is proportional to the increase in population whereas only those people who knew Khadi Boli (Hindi) were brought under the purview of people knowing Hindi and my research report has brought a substantial change in these statistics.
3. The new generation of Indians are using Hindi as the most preferred socio - economic language over other languages /associate languages.
4. Hindi is fast emerging as the favourite of Indian Cinema/songs and electronic media and is the preferred language of the advertising world. Hindi Tag lines in English advertisements are proof to the wide spread appeal and popularity of Hindi.
5. India is now being viewed as the new Economic Super power. South Asian Nations (SAARC) can at any time accept the concept of One currency “Rupees” and One language viz Hindi. Hindi is becoming extremely popular among SAARC Nations.
6. The interest for learning Hindi in Non Hindi Speaking areas is steadily picking up due to the dedicated , committed and enthusiastic efforts put in by Govt of India and Voluntary Organisations. Even people in the most remote and far-flung areas of India know Hindi. This is ample proof that the popularity of Hindi is mounting not just in India but the world over.

## हिन्दी-उर्दू विवाद की समाप्ति:

भारत में आजादी से पूर्व हिन्दू तथा मुस्लिमों में धार्मिक वैमनस्य पैदा करने के लिए अंग्रेजों ने उर्दू को अलग भाषा बता कर हिन्दी और उर्दू को अलग-अलग करने की नाकाम कोशिश की। सत्य यह है कि उर्दू का जन्म भारत में हुआ। इसे पहले “हिन्दवी” या “देहलवी” कहा जाता था। मुगल सेना के शिविरों (कैंपों में) भी यह भाषा व्यवहृत होती थी। जो, हिन्दी साहित्य और उर्दू साहित्य का इतिहास जानते हैं उन्हें मालूम है कि उर्दू भारत में जन्मी भाषा है। मुगल शासकों की बेगमों अरबी, फारसी के शब्दों को हिन्दी वाक्य रचना में, ब्रज भाषा की कोमलता लिए हुए बोलती थी। इन तीन सुकोमल तत्वों से उर्दू भाषा बनी है। इसलिए उर्दू में इतनी नज़ाकत और नफासत है। उर्दू को पहले “बेगमानी जुवान” भी कहा जाता था अर्थात् बेगमों की भाषा। यह भाषा लाल किले से बाहर आई तो मुगल सिपाहियों, दरबारियों व दूकानदारों तक जा पहुँची। यही है उर्दू भाषा का इतिहास। उर्दू में सारा व्याकरण और वाक्य संरचना हिन्दी की है। भाषा विज्ञान की दृष्टि से उर्दू और हिन्दी एक ही भाषा की दो शैलियाँ हैं। व्याकरण की दृष्टि से दोनों एक ही हैं।

## दोनों भाषाओं में अंतर कैसे ?

वस्तुतः अंग्रेजों के भाषा द्वेष संबंधी षडयंत्र में फंस कर शुद्धतावादी मुल्लाओं ने उर्दू में अरबी और फारसी के कठिन से कठिन शब्द जोड़ने शुरू कर दिए व इस लिखने के लिए नस्तालिक लिपि अपना ली। दूसरी ओर शुद्ध हिन्दी के पक्षधर पंडितों ने हिन्दी में संस्कृत के कठिन से कठिनतम शब्दों का प्रयोग करते हुए इसे यथा संभव बोझिल व जटिल बना दिया। इसके परिणाम स्वरूप दोनों शैलियों में दूरियाँ बढ़ती चली गईं और दोनों ही जन सामान्य में दो भाषाओं के रूप में देखी जाने लगी।

सामान्य बोलचाल की हिन्दुस्तानी भाषा ही हिन्दी है। अतः इसे हिन्दी व उर्दू के रूप में अलग - अलग देखना बहुत बड़ी भूल है। लिपि अलग होने से भाषा नहीं बदलती। देवनागरी लिपि में 8 भाषाएँ लिखी जाती हैं परन्तु उन्हें हिन्दी नहीं कहा जाता। इसी प्रकार फारसी लिपि होने से उर्दू अलग भाषा नहीं हो सकती। उत्तर भारत में उर्दू देवनागरी लिपि में ही लिखी जाती है।

## हिन्दी तीसरे या चौथे नंबर पर क्यों?

विश्व में भाषा संबंधी वेब साइटों में व विश्व में भाषा संबंधी आँकड़े रखने वाली संस्थाओं ने हिन्दी के नाम पर सिर्फ खड़ी बोली के आँकड़े इकट्ठे किए हैं। हिन्दी की बोलियाँ जो हिन्दी भाषा का अभिन्न अंग हैं व वृहत्तर स्वरूप में वे हिन्दी ही हैं उनके आँकड़े अलग - अलग दर्शाए जाते हैं। इन सब उपभाषाओं/बोलियों जैसे राजस्थानी, अवधी, ब्रज, बिहारी, मैथिली, भोजपुरी, हरियाणवी आदि को हिन्दी भाषा में नहीं जोड़ा गया। इस प्रकार हिंदी जानने वालों की संख्या मात्र 500 मिलियन तक दिखाई जाती है जबकि विश्व में हिन्दी जानने वाले

## Hindi - Urdu Controversy- Finale

During the pre independence era, the British tried unsuccessfully to dissect Urdu from Hindi and make it a separate entity to create communal discord. Fact is that Urdu originated in India and was formerly known as Hindavi or Dahlvi. This language was used in camps of the Mogul Army. Those cognizant with Hindi and Urdu literature are aware of the fact that Urdu has actually originated in India. The Mogul queens used to combine Arabic, Persian and Braj Bhasha words in Hindi syntax. Urdu owes its origin to these endearing aspects. This is the reason for Urdu's delicacy & sophistication (exquisiteness). Urdu was formerly also called BEGAMANI ZUBAAN or language used by the begums. The language fast gained popularity not only with the people in the Red Fort but also among Mogul soldiers, those in Royal Court and vendors etc. This is the innate history of Urdu Language. The Gramatical structure and syntax of Urdu is identical as that of Hindi and we can safely say that it is one and the same.

## Hindi - Urdu : Disparity..?

Radical Muslims fell victims to plot hatched by the British and started to incorporate complex Arabic -Persian words and accepted “Nastalik”(Persian) script for writing Urdu. On the other hand those Pandits in favour of pure Hindi started using complex and convoluted Sanskrit words thereby making Hindi more complex and complicated. This caused a rift among these two languages and with the passes of time this ever widening rift caused people to view Urdu and Hindi as two languages.

Hindustani language which is used in normal conversations is Hindi. Hence it would be extremely wrong to view these separately as Hindi and Urdu. Language cannot be deemed as different just on the basis of its script. Eight different languages use Devanagari script for writing but these languages cannot be deemed as Hindi. Likewise Urdu cannot be deemed as a separate language just because Urdu is written in Persian (Nastalik) Script. Another point to be noted is that in North India, Urdu is written in Devanagari Script.

## Why is Hindi relegated to third and fourth positions ?

The linguistic data regarding Hindi by International linguistic organisations and linguistic websites is based on people using Khadi boli(Hindi) only. The data regarding the associate languages of Hindi which are

1200 मिलियन हैं व चीनी जानने वालों की संख्या विश्व में 1050 मिलियन है। विश्व की भाषाओं में हिन्दी का पहला स्थान है व मंदारिन का दूसरा स्थान है। विश्व के विद्वानों से मैं पुनः अपील करता हूँ कि वे हिन्दी जानने वालों की संख्या दिखाते समय हिन्दी को पहले स्थान पर दिखाएँ व चीनी (मंदारिन) भाषा को दूसरे स्थान पर।

### आश्चर्यजनक किंतु सत्य !!!!!

आपको यह जानकार आश्चर्य होगा कि विश्व की कुल जन संख्या सात अरब है (7028891239) इन में से हिन्दी जानने वाले 1207393250 हैं। अर्थात् हर छठवाँ व्यक्ति हिन्दी जानता है !!

### संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी:

संयुक्त राष्ट्र संघ की अधिकृत भाषाओं में विश्व की सर्वाधिक जानी जाने वाली भाषा का अधिकृत भाषा न होना भारत का अपमान है। विश्व के सबसे बड़े गणतंत्र की भाषा को स्थान न देकर संयुक्त राष्ट्र संघ विश्व की 1/6 आबादी की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहा है। भारत के व सभी स्वाभिमानी व राष्ट्रप्रेमी नागरिकों से तथा विश्व के हिन्दी प्रेमियों से मेरा विनम्र अनुरोध है कि हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र संघ की अधिकृत भाषा बनाने में सहयोग दें।

### भाषा शोध - कथ्य और तथ्य:

इस भाषा शोध अध्ययन में मैंने जो कुछ कहा है वह केवल कपोल कल्पना नहीं बल्कि तथ्यों और आंकड़ों का गहन अध्ययन और विश्लेषण करके कहा है। इसके प्रमाण स्वरूप भारत में तथा विश्व में हिन्दी जानने वालों की संख्या अनुबंध-1 एवं अनुबंध-2 में दी जा रही है। वर्तमान शोध में व इससे पूर्व शोध में राष्ट्रवार हिन्दी जानने वालों की संख्या में कहीं-कहीं काफी अंतर है। इसके कई जनसांख्यिकीय कारण हैं। कुछ मामलों में संबंधित राष्ट्र के आंकड़ों व विश्व स्तर पर भाषा संबंधी आंकड़े रखने वाली संस्थाओं के आंकड़ों में पाई गई विसंगतियों, तथा विश्व के विद्वानों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों के कारण यह अंतर आया है। अनुबंध-1 में भारत में हिन्दी जानने वालों की संख्या दी गई है तथा अनुबंध-2 विश्व में हिन्दी जानने वालों की संख्या दर्शाता है।

an intrinsic form of Hindi or rather they can be deemed as Hindi itself are shown separately. These associate languages viz Rajasthani, Awadhi, Braj, Bihari, Maithili, Bhojpuri, Hariyanavi etc are not counted in Hindi language, hence the data pertaining to those conversant with Hindi is shown as just 500 million whereas realistically the number of people conversant with Hindi is 1200 million. The number of people conversant with Chinese "AKA" Mandarin is just 1050 million. Hindi is numero uno with regard to the most popular language in the world whereas Chinese (Mandarin) comes second.

### Amazing yet true !!!!!

You may be surprised to note that world population is 7028891239 among which the total people knowing Hindi is 1207393250.... Meaning one among six people know Hindi !!

### Hindi in UN

It is quite derogatory that Hindi which is the most popular language in the world has not found a place among the authorized languages of United Nations. By not accepting the language spoken by the largest republic, the United Nations is messing with the emotions of 1/6th of the world population. It is my humble appeal to all self respecting, patriotic citizens of India and Hindi lovers all over the world to lend support to efforts for installing Hindi as one of the authorized languages of UN.

### Language Study- Statistic and Facts

The contents reflected in this research study are based not on my vivid imagination but on hardcore facts and data, I have amassed from reliable sources. This study is the result of extensive research and analysis. As further proof I have enclosed as Annexure I – The details regarding the total people in India knowing Hindi and as Annexure II the details of the total people in the world knowing Hindi.

भारत में हिन्दी जानने वालों की संख्या  
राजभाषा अधिनियम 1976 यथा संशोधित 1987 के अनुसार 'क' क्षेत्र

क्र.स.	राज्य/संघ शसित क्षेत्र	कुल जनसंख्या	हिन्दी जानने वाले	हिन्दी जानने वालों का %
1	अंडमान एवं निकोबार	3,79,944	3,79,944	100
2	बिहार	10,38,04,637	10,38,04,637	100
3	छत्तीसगढ़	2,55,40,196	2,55,40,196	100
4	दिल्ली	1,67,53,235	1,67,53,235	100
5	हरियाणा	2,53,53,081	2,53,53,081	100
6	हिमाचल प्रदेश	68,56,509	68,56,509	100
7	झारखंड	3,11,69,272	3,11,69,272	100
8	मध्य प्रदेश	7,25,97,565	7,25,97,565	100
9	राजस्थान	6,86,21,012	6,86,21,012	100
10	उत्तराखंड	1,01,16,752	1,01,16,752	100
11	उत्तर प्रदेश	19,95,81,477	19,95,81,477	100
	<b>कुल</b>	<b>56,07,73,680</b>	<b>56,07,73,680</b>	<b>100%</b>

संशोधित राजभाषा अधिनियम 1976 यथा संशोधित 1987 के अनुसार 'ख' क्षेत्र

12	चंडीगढ़	10,54,686	9,49,218	90
13	दादर एवं नगर हवेली	3,42,853	3,08,568	90
14	दमण एवं दीव	2,42,911	2,18,620	90
15	गुजरात	6,03,83,628	5,43,45,265	90
16	महाराष्ट्र	11,23,72,972	10,11,35,675	90
17	पंजाब	2,77,04,236	2,49,33,812	90
	<b>कुल</b>	<b>20,21,01,286</b>	<b>18,18,91,158</b>	<b>90%</b>

संशोधित राजभाषा अधिनियम 1976 यथा संशोधित 1987 के अनुसार 'ग' क्षेत्र

18	आन्ध्र प्रदेश	8,46,65,533	4,23,32,766	50
19	अरुणाचल प्रदेश	13,82,611	4,83,914	35
20	असम	3,11,69,272	1,24,67,709	40
21	गोवा	14,57,723	10,93,293	75
22	जम्मू एवं कश्मीर	1,25,48,926	1,12,94,033	90
23	कर्नाटक	6,11,30,704	3,05,65,352	50
24	केरल	3,33,87,677	1,50,24,454	45
25	लक्षद्वीप	64,429	19,329	30
26	मणिपुर	27,21,756	12,24,790	45
27	मेघालय	29,64,007	8,89,202	30
28	मिजोरम	10,91,014	3,27,304	30
29	नागालैंड	19,80,602	39,612	20
30	उड़ीसा	4,19,47,358	2,30,71,046	55
31	पांडिचेरी	12,44,464	2,48,892	20
32	सिक्किम	6,07,688	3,64,612	60
33	तमिलनाडु	7,21,38,958	1,44,27,791	20
34	त्रिपुरा	36,71,032	11,01,309	30
35	पश्चिम बंगाल	9,13,47,736	5,02,41,254	55
	<b>कुल</b>	<b>44,55,21,490</b>	<b>20,52,16,662</b>	<b>46.06%</b>

सारांश

	कुल जन संख्या	हिन्दी जानने वाले	प्रतिशत
क - क्षेत्र	56,07,73,680	56,07,73,680	100.00
ख - क्षेत्र	20,21,01,286	18,18,91,158	90.00
ग - क्षेत्र	44,55,21,490	20,52,16,662	46.06
कुल - संपूर्ण भारत	1,20,83,96,456	94,78,81,500	78.44
भारत को छोड़कर अन्य देश	5,82,04,94,783	25,95,11,750	04.45
सम्पूर्ण विश्व	7,02,88,91,239	1,20,73,93,250	17.17

स्रोत: डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल द्वारा किया गया शोध अध्ययन सन् 2012

**No. of People who know Hindi in India  
'A' Region as per Ammended OL Rules**

S.No.	State/ UT	Total Population	Knowing Hindi	% Knowing Hindi
1	Andaman & Nicobar Islands	3,79,944	3,79,944	100
2	Bihar	10,38,04,637	10,38,04,637	100
3	Chattisgarh	2,55,40,196	2,55,40,196	100
4	Delhi	1,67,53,235	1,67,53,235	100
5	Haryana	2,53,53,081	2,53,53,081	100
6	Himachal Pradesh	68,56,509	68,56,509	100
7	Jharkhand	3,11,69,272	3,11,69,272	100
8	Madhya Pradesh	7,25,97,565	7,25,97,565	100
9	Rajasthan	6,86,21,012	6,86,21,012	100
10	Uttarakhand	1,01,16,752	1,01,16,752	100
11	Uttar Pradesh	19,95,81,477	19,95,81,477	100
	<b>Total</b>	<b>56,07,73,680</b>	<b>56,07,73,680</b>	<b>100%</b>

**'B' Region as per Ammended OL Rules**

12	Chandigarh	10,54,686	9,49,218	90
13	Dadra & Nagar Haveli	3,42,853	3,08,568	90
14	Daman & Diu	2,42,911	2,18,620	90
15	Gujarat	6,03,83,628	5,43,45,265	90
16	Maharashtra	11,23,72,972	10,11,35,675	90
17	Punjab	2,77,04,236	2,49,33,812	90
	<b>Total</b>	<b>20,21,01,286</b>	<b>18,18,91,158</b>	<b>90%</b>

**'C' Region as per Ammended OL Rules**

18	Andhra Pradesh	8,46,65,533	4,23,32,766	50
19	Arunachal Pradesh	13,82,611	4,83,914	35
20	Assam	3,11,69,272	1,24,67,709	40
21	Goa	14,57,723	10,93,293	75
22	Jammu & Kashmir	1,25,48,926	1,12,94,033	90
23	Karnataka	6,11,30,704	3,05,65,352	50
24	Kerala	3,33,87,677	1,50,24,454	45
25	Lakshadweep	64,429	19,329	30
26	Manipur	27,21,756	12,24,790	45
27	Meghalaya	29,64,007	8,89,202	30
28	Mizoram	10,91,014	3,27,304	30
29	Nagaland	19,80,602	39,612	20
30	Orissa	4,19,47,358	2,30,71,046	55
31	Pondicherry	12,44,464	2,48,892	20
32	Sikkim	6,07,688	3,64,612	60
33	Tamilnadu	7,21,38,958	1,44,27,791	20
34	Tripura	36,71,032	11,01,309	30
35	West Bengal	9,13,47,736	5,02,41,254	55
	<b>Total</b>	<b>44,55,21,490</b>	<b>20,52,16,662</b>	<b>46.06%</b>

**Summary**

	Total Population	Knowing Hindi	%
A- Region	56,07,73,680	56,07,73,680	100.00
B- Region	20,21,01,286	18,18,91,158	90.00
C- Region	44,55,21,490	20,52,16,662	46.06
Total – All India	1,20,83,96,456	94,78,81,500	78.44
Other countries excluding India	5,82,04,94,783	25,95,11,750	04.45
Whole World	7,02,88,91,239	1,20,73,93,250	17.17

Source: Research Study 2012 by Dr. Jayanti Prasad Nautiyal

विश्व में हिन्दी जानने वालों की संख्या

क्रम सं	देश	हिन्दी जाननेवाले	क्रम सं	देश	हिन्दी जाननेवाले	क्रम सं	देश	हिन्दी जाननेवाले
1	भारत	947800000	36	नाइजीरिया	98000	71	फिनलैंड	8500
2	पाकिस्तान	160000000	37	श्रीलंका	96000	72	इक्वाडोर	7500
3	बांग्लादेश	56500000	38	न्यूजीलैंड	92000	73	ग्वाटेमाला	7200
4	नेपाल	18000000	39	मैक्सिको	90000	74	घाना	6500
5	म्यांमार	3000000	40	तंज़ानिया	90000	75	निकारागुआ	6000
6	मलेशिया	2700000	41	जमैका	80000	76	विप्टनाम	6000
7	यूनाइटेड किंगडम	2500000	42	इस्राइल	75000	77	वैनेजुएला	5900
8	अमेरिका	2200000	43	फ्रांस	70000	78	सूडान	5800
9	दक्षिण अफ्रीका	1500000	44	पुर्तगाल	62000	79	सेंट लूसिया	5700
10	सऊदी अरब	1500000	45	हांगकांग	48000	80	प्युरटो रिको	5700
11	संयुक्त अरब इमारात	1400000	46	अफगानिस्तान	47000	81	जॉर्डन	5500
12	कनाडा	1200000	47	स्पेन	40000	82	पनामा	5000
13	बंगलादेशी शरणार्थी (भारत में)	1000000	48	मोज़ाम्बीक	40000	83	इजिप्ट	5000
14	मॉरिशस	880000	49	रूस	37000	84	साइप्रस	5000
15	भूटान	800000	50	लीबिया	30000	85	दक्षिण कोरिया	3000
16	फ़ीजी	500000	51	मैडागास्कर	29000	86	डेन्मार्क	3000
17	त्रिनिडाड और	480000	52	युगांडा	28000	87	ब्राज़ील	2500
18	कुवैत	470000	53	बोट्सवाना	26000	88	ताइवान	2500
19	ओमान	465000	54	चीन	25000	89	सीरिया	2400
20	गुयाना	420000	55	पोलैंड	24000	90	आयरलैंड	2300
21	सिंगापुर	310000	56	अर्जेंटीना	23500	91	ज़िंबाब्वे	2000
22	कतार	300000	57	ज़ाम्बिया	22000	92	चेक गणतंत्र	2000
23	सूरीनाम	260000	58	जापान	20000	93	कज़ाकिस्तान	1700
24	नीदरलैंड	260000	59	स्वीट्ज़रलैंड	19000	94	सीरा लियोन	1500
25	वहरीन	260000	60	स्वीडेन	18000	95	इथियोपिया	1400
26	थाइलैंड	170000	61	नॉर्वे	17000	96	वर्जिनिया	1400
27	केनिया	150000	62	कोरिया	16000	97	उज़बेकिस्तान	1400
28	ऑस्ट्रेलिया	121000	63	ऑस्ट्रिया	14000	98	ईरान	1300
29	यमन	110000	64	सेशेल्स	12500	99	चिली	1300
30	फिलीपीन	109000	65	लेबनान	12000	100	कॉंगो	1250
31	जर्मनी	100000	66	बेल्जियम	12000	101	शेष 105 देशों में	100000
32	इटली	100000	67	ब्रुनेई	11000	<b>कुल</b>	<b>1207393250</b>	
33	इंडोनेशिया	100000	68	मालदीव	10000	विश्व की कुल जन		
34	तिब्बती शरणार्थी (भारत में)	100000	69	ग्रीस	10000	संख्या	<b>7028891239</b>	
35	रीयूनियन (फ्रांस)	100000	70	यूक्रेन	9000	हिन्दी जानने वालों का %	<b>17.17</b>	

स्रोत: डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल द्वारा दिया गया शोध अध्ययन सन् 2012

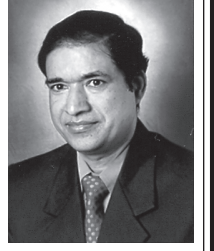
## No. of people who know Hindi in the world

S. No.	Country	Hindi Knowing population	S. No.	Country	Hindi Knowing population	S. No.	Country	Hindi Knowing population
1	India	947800000	36	Nigeria	98000	71	Finland	8500
2	Pakistan	160000000	37	Sri Lanka	96000	72	Ecuador	7500
3	Bangladesh	56500000	38	New Zealand	92000	73	Guatemala	7200
4	Nepal	18000000	39	Mexico	90000	74	Ghana	6500
5	Myanmar	3000000	40	Tanzania	90000	75	Nicaragua	6000
6	Malaysia	2700000	41	Jamaica	80000	76	Vietnam	6000
7	United Kingdom	2500000	42	Israel	75000	77	Venezuela	5900
8	America	2200000	43	France	70000	78	Sudan	5800
9	South Africa	1500000	44	Portugal	62000	79	Saint Lucia	5700
10	Saudi Arabia	1500000	45	Hong Kong	48000	80	Puerto Rico	5700
11	United Arab Emirates	1400000	46	Afghanistan	47000	81	Jordan	5000
12	Canada	1200000	47	Spain	40000	82	Panama	5000
13	Bangladeshi Refugees (in India)	1000000	48	Mozambique	40000	83	Egypt	5000
14	Mauritius	880000	49	Russia	37000	84	Cyprus	5000
15	Bhutan	800000	50	Libya	30000	85	South Korea	3000
16	Fiji	500000	51	Madagascar	29000	86	Denmark	3000
17	Trinidad & Tobago	480000	52	Uganda	28000	87	Brazil	2500
18	Kuwait	470000	53	Botswana	26000	88	Taiwan	2500
19	Oman	465000	54	China	25000	89	Syria	2400
20	Guyana	420000	55	Polland	24000	90	Ireland	2300
21	Singapore	310000	56	Argentina	23500	91	Zimbabwe	2000
22	Qatar	300000	57	Zambia	22000	92	Czech Republic	2000
23	Surinam	260000	58	Japan	20000	93	Kazakhstan	1700
24	Netherland	260000	59	Switzerland	19000	94	Seira Leone	1500
25	Bahrain	260000	60	Sweden	18000	95	Ethiopia	1400
26	Thailand	170000	61	Norway	17000	96	Virginia	1400
27	Paragua	150000	62	Korea	16000	97	Uzbekistan	1400
28	Australia	121000	63	Austria	14000	98	Iran	1300
29	Yemen	110000	64	Seychelles	12500	99	Chile	1300
30	Philippines	109000	65	Lebanon	12000	100	Congo	1250
31	Germany	100000	66	Belgium	12000	101	Remaining 105 Countries	100000
32	Italy	100000	67	Brunei	11000			
33	Indonesia	100000	68	Maldives	10000	<b>कुल</b>	<b>1207393250</b>	
34	Tibetan Refugees (in India)	100000	69	Greece	10000	World Total population	<b>7028891239</b>	
35	Reunion (France)	100000	70	Ukraine	9000	% Knowing Hindi	<b>17.17</b>	

Source: Research Study 2012 by Dr. Jayanti Prasad Nautiyal



## संक्षिप्त जीवन वृत्त (बायोडाटा)



नाम - डॉ जयन्ती प्रसाद नौटियाल  
जन्म तिथि व जन्म स्थान - 03.03.1956 देहरादून (उत्तराखण्ड)

कुल योग्यताएँ (शैक्षिक / व्यावसायिक/विविध)	58	58 डिग्री, डिप्लोमा एवं प्रमाण-पत्र मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों / बोर्डों / संस्थानों से अर्जित (कुल 242 प्रश्न पत्र उत्तीर्ण / पूर्ण किए)
शैक्षिक योग्यता	9	9 डिग्री/डिप्लोमा: इनमें एम.ए हिंदी (स्वर्णपदक), एम.ए. (अंग्रेजी), पी.एच.डी (भाषा विज्ञान), डी.लिट, एल.एल.बी आदि शामिल हैं।
व्यावसायिक योग्यता	27	27 डिग्री/डिप्लोमा: इनमें एम.बी.ए (बैंकिंग एवं वित्त), सी.ए.आइ.आइ.वी, डी.बी.एम., सी.पी.डी. आदि शामिल हैं।
विविध प्रशिक्षण	22	22 प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र: इन प्रशिक्षणों में विभिन्न प्रकार के 68 विषयों पर प्रशिक्षण लिया व प्रमाण - पत्र प्राप्त।
अनुभव	28	28 विभागों/संगठनों में 43 पदों पर सेवा जिनमें पत्रकार, चित्रकार, सम्पादक, रीडर आदि से लेकर राष्ट्रीयकृत बैंक में सहायक महा प्रबंधक पद पर सेवा शामिल हैं।
विशिष्ट कार्य	66	66 प्रकार के विशिष्ट दायित्वों का निर्वाह जिनमें शोध निर्देशक, बोर्ड आफ स्टडीज़ के सदस्य, शिक्षा सलाहाकार, बैंकिंग शब्दावली विशेषज्ञ, परीक्षा प्रशासक, चयन बोर्ड के सदस्य जैसे कार्य शामिल हैं।
समितियों में प्रतिनिधित्व	70	70 शीर्ष समितियों में प्रतिनिधित्व (भा.रि.वै/भा.वै.सं/रा.वै.प्र.सं/भारत सरकार एवं बैंक द्वारा गठित)
साहित्यिक योगदान	1529	57 पुस्तकें प्रकाशित (इनमें अनेक पुस्तकें विश्वविद्यालयों की पाठ्य पुस्तकें/संदर्भ ग्रंथ हैं) (इनमें 31 पुस्तकें स्वयं लिखी व 26 संयुक्त लेखन) 93 पुस्तकों/प्रक्रियात्मक साहित्य का अनुवाद (संयुक्त अनुवाद) 14 राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर की पत्रिकाओं के अनेक अंकों का सम्पादन 92 राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय संगोष्ठियों में शोध पत्र/आलेख प्रस्तुत (यू.जी.सी/सरकार द्वारा अनुमोदित) 73 कार्यक्रम आकाशवाणी पणजी (गोवा) तथा मंगलूर से प्रसारित 1200 लेख विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित
सम्मान/पुरस्कार	56	56 हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार व साहित्यिक योगदान के लिए भारत सरकार एवं प्रतिष्ठित संस्थाओं से 3 अन्तर्राष्ट्रीय 42 राष्ट्रीय तथा 11 राज्य स्तरीय पुरस्कार / सम्मान प्राप्त
प्रशस्ति-पत्र	30	30 व्यावसायिक दक्षता एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति-पत्र (Appreciation Letters) प्राप्त
सम्प्रति		डॉ जयन्ती प्रसाद नौटियाल, सहायक महा प्रबंधक कार्पोरेशन बैंक (भारत सरकार का अग्रणी उद्यम) कार्पोरेट कार्यालय, पांडेश्वर, मंगलूर, पिन 575001 कर्नाटक राज्य, भारत ईमेल : jpn@corpbank.co.in मो: 9900068722

